

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 16, भाग 1

1 राजा 21-22, भाग 1

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

राजाओं की किताबों पर हमारे निरंतर अध्ययन में आपका स्वागत है। आज, हम अध्याय 21 और 22 पर विचार कर रहे हैं। सबसे पहले, नाबोत की दाख की बारी।

शुरू करने से पहले, आइए हम सब मिलकर प्रार्थना करें।

प्रिय स्वर्गीय पिता, हम आपके हमारे साथ होने के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। हम आपका धन्यवाद करते हैं कि आप यहाँ हैं।

आप हम में से हर एक के साथ व्यक्तिगत रूप से, शक्तिशाली रूप से और खुशी से हैं। और हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आप केवल हमारे छोटे व्यक्तिगत भगवान नहीं हैं। आपका धन्यवाद कि जो हमारे साथ है वह ब्रह्मांड का भगवान है और ब्रह्मांड की सारी शक्ति आपके माध्यम से हमारी है।

धन्यवाद। हम प्रार्थना करते हैं, प्रभु यीशु, कि आप हमें जीने की शक्ति दें, किसी तरह से नहीं, बल्कि विजयी होकर। दुनिया के संकटों के बीच, हे प्रभु, हमें आत्मविश्वास, खुशी और उम्मीद के साथ जीने में मदद करें।

हमें उस निराशा से बचाएँ जिसे दुश्मन हम पर थोपना चाहता है। हमें आत्मविश्वास से भर दें, जैसा कि एलिय्याह और एलीशा ने जिया था, यह जानते हुए कि आप नियंत्रण में हैं, कि आप हमारे परमेश्वर हैं, और कि हम भी, उनकी तरह, परमेश्वर के पुरुष और महिला हो सकते हैं। हमारी मदद करें, यीशु।

हम प्रार्थना करते हैं कि अब इस अध्ययन में हमारी सहायता करें। अपना वचन हमारे लिए खोलें और हमें इसका अर्थ समझने में सक्षम बनाएँ। और उससे भी बढ़कर, हममें से प्रत्येक के लिए इसका अर्थ। धन्यवाद। आपके नाम में, आमीन।

इस्राएल की भूमि यहोवा की थी। यह इस्राएल की भूमि नहीं थी। यह यहोवा की भूमि थी। और यह बात यहोशू की पुस्तक में बहुत स्पष्ट हो गई।

बार-बार हमसे कहा जाता है कि मैं तुम्हें जो ज़मीन दे रहा हूँ, उस पर कब्ज़ा कर लो। विद्वान अक्सर कहते हैं कि, पुरातत्व की दृष्टि से, इस ज़मीन पर किसी बड़े पैमाने पर कब्ज़ा करने का कोई सबूत नहीं है। मुझे आश्चर्य नहीं हुआ।

बाइबल में ऐसा नहीं बताया गया है। इसमें गुरिल्ला कार्रवाइयों की एक श्रृंखला का वर्णन है, जिसमें भूमि का नियंत्रण ढांचा तोड़ा जाता है। और फिर काम होता है कब्ज़ा करना।

मैं तुम्हें जो ज़मीन दे रहा हूँ। तो किताब का लगभग आधा हिस्सा, वास्तव में, यहोशू की किताब का आधा हिस्सा, ज़मीन के वितरण के बारे में है। यहोशू की किताब वास्तव में विजय के बारे में बिल्कुल नहीं है।

यह भगवान द्वारा दी गई भूमि को प्राप्त करने और फिर उस भूमि का बंटवारा करने के बारे में है। मध्ययुगीन यूरोप में, जिसे सामंतवाद कहा जाता था, वहां राजा अपने वफ़ादार कुलीनों को उनकी वफ़ादारी और राजा के प्रति उनके निरंतर समर्थन के बदले में भूमि के हिस्से देते थे। वह भूमि उन कुलीनों की नहीं थी।

यह राजा का था। बाइबल में भी यही बात कही गई है। इसलिए कोई व्यक्ति अपनी ज़मीन कबीले के बाहर किसी को नहीं बेच सकता था।

यह ज़मीन इस जनजाति को दी गई थी। हाँ, आप इसे किसी दूसरे जनजाति के सदस्य को बेच सकते थे। आप इसे अपने कबीले के किसी दूसरे सदस्य को बेच सकते थे, लेकिन आप इसे अपने कबीले के बाहर नहीं बेच सकते थे।

यह तुम्हारा अधिकार नहीं था कि तुम इसे किसी भी तरह से दे सको। 1 राजा के अध्याय 21 में अहाब और नाबोत की इस कहानी में यही चल रहा है। अब, सवाल यह है कि यह कहानी क्यों शामिल की गई है? हमने एलिय्याह के चमत्कार देखे हैं।

हमने माउंट कार्मेल पर संघर्ष देखा है। हमने एलिय्याह के पतन और फिर उसके फिर से स्वस्थ होने और उसके उत्तराधिकारी की नियुक्ति को देखा है, जो वास्तव में एलिय्याह के मंत्रालय को आगे बढ़ाएगा। मैंने यह पहले भी कहा है।

मैं फिर से कहूँगा। ये दो अलग-अलग भविष्यसूचक मंत्रालय नहीं हैं। यह एक ही भविष्यसूचक मंत्रालय है।

1 राजा के अध्याय 17 में एलिय्याह के परिचय से लेकर 2 राजा के अध्याय 13 में एलीशा की मृत्यु तक। यह एक ही मंत्रालय है। तो अब हमारे पास नाबोत की दाख की बारी की कहानी है।

बाइबल का अध्ययन करते समय हमें बार-बार खुद से पूछना चाहिए कि पवित्र आत्मा ने इसे क्यों शामिल किया? राजाओं के हमारे अध्ययन में, हमने बार-बार कहा है कि यह एक पूर्ण इतिहास नहीं है जहाँ कहानी की हर घटना को शामिल किया गया है। यह बहुत ही चयनात्मक है। यह एक बात को स्पष्ट करने के लिए चयनात्मक है।

और इसलिए, मैं जो सवाल पूछना चाहूँगा, वह यह है कि इस कहानी को यहाँ इस बिंदु पर क्यों शामिल किया गया है? मैं आपको सुझाव दूँगा कि, वास्तव में, यह ठीक इसी मुद्दे पर है: यह किसकी भूमि है? क्या यह यहोवा की भूमि है? या यह केवल इस्राएलियों की भूमि है जो मन में आने वाले किसी भी ईश्वर की पूजा कर रहे हैं? कहानी में जो बात कही गई है वह यह है कि यह यहोवा की भूमि है। इसलिए, अहाब इस दाख की बारी को देखता है, जो यिज़्रेल में उसके महल

के ठीक बगल में है। याद रखें, यिज्जेल यिज्जेल घाटी के दक्षिणी किनारे पर है, जो उत्तरी भाग में इस्राएल के माध्यम से पूर्व और पश्चिम में चलती है।

यिज्जेल इस्राएली राजाओं का ग्रीष्मकालीन महल था। संभवतः, उस घाटी से ज़्यादा हवा गुज़रती थी, और गर्मियों की भीषण गर्मी में यह ज़्यादा सुहावना था। इसलिए, यहाँ यह अंगूर का बाग़ है।

क्या वहाँ एक शाही बगीचा होना अच्छा नहीं होगा? और मैं शाम को, शाम की ठंडी हवा में वहाँ टहल सकता हूँ। और क्या यह अच्छा नहीं होगा? तो हाँ, नाबोथ, मैं तुम्हें बताता हूँ। मैं तुम्हें तुम्हारे इस अंगूर के बाग के लिए पैसे दूँगा।

यह कोई बड़ी बात नहीं है। वरना मैं तुम्हें इससे भी बेहतर अंगूर का बाग दे दूँगा। तो, वह मुझे दे दो।

तुम्हें यह महल, यह दाख की बारी नहीं दे सकता, मैं तुम्हें नहीं बेच सकता। तुम मेरे कबीले से नहीं हो।

यह मेरी भूमि नहीं है, जिसे मैं अपनी मर्जी से संभालूँ। यह यहोवा की भूमि है। तो, तुम क्या करने जा रहे हो? मुझे लगता है कि अहाब को देखना बहुत दिलचस्प है।

मुझे लगता है कि यह एक क्लासिक दोहरी मानसिकता वाला आदमी है। वह बाल के लिए समर्पित नहीं है, जैसा कि ईजेबेल है, जैसा कि हम थोड़ी देर में बात करेंगे। वह एक पैर यहोवा के शिविर में और दूसरा पैर बाल के शिविर में है।

और इसलिए, जब नाबोथ कहता है, मैं यह नहीं कर सकता। मैं कल्पना कर सकता हूँ कि वह कह रहा होगा, राजा अहाब, मैं यह करना चाहता हूँ। मैं इसके लिए बहुत सारा नकद पैसा या उससे भी बेहतर पाना चाहता हूँ, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता।

यह मेरी ज़मीन नहीं है जिसे मैं बेचूँ। अहाब क्या करता है? क्या वह कहता है, देखो, दोस्त, मैं राजा हूँ, मैं इस ज़मीन का मालिक हूँ, और मैं इसे लेने जा रहा हूँ?

तुम्हें यह पसंद नहीं है। यह बहुत बुरा है। नहीं, वह घर जाकर उदास हो जाता है।

हमने उसे ऐसा करते हुए देखा जब नबी ने उसे बेन-हदद को जीवित रहने की अनुमति देकर परमेश्वर की आज्ञा का पालन न करने का दोषी ठहराया। वह घर गया और उदास हो गया। मैं इस बारे में कुछ नहीं कर सकता।

मैं इसके बारे में कुछ करना चाहता हूँ, लेकिन मैं नहीं कर सकता। क्यों? क्योंकि पुराना याह्विस्टिक विश्वास अभी भी वहाँ है। वह इसे बेचने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं है।

दोस्तों, यह रहने के लिए एक दयनीय जगह है। और बहुत से चर्च के सदस्य, बहुत से ईसाई यहीं हैं - आधे यहोवा के लिए और आधे दुनिया के लिए।

और नतीजा क्या होता है? उदास हो जाना। दुख। आप किसी भी तरह से खुश नहीं हैं।

आप पाप करके खुश नहीं हो सकते, और आप पाप न करके भी खुश नहीं हो सकते। और इसीलिए प्रेरित याकूब कहता है कि इस तरह का व्यक्ति अपने सभी तरीकों से अस्थिर होता है। अब, वह एक दोहरे दिमाग वाले व्यक्ति के बारे में कहता है।

यह हिब्रू संस्कृति और ग्रीक संस्कृति के बीच थोड़ा बदलाव है। हिब्रू संस्कृति में दोहरे दिल वाले व्यक्ति, विभाजित दिल वाले व्यक्ति के बारे में कहा जाता है। हम सहज रूप से स्नेह के बारे में सोचते हैं, लेकिन नहीं।

यह वास्तव में संपूर्ण व्यक्तित्व के बारे में बात कर रहा है। आपका व्यक्तित्व विभाजित है। अब, जब आप ग्रीक संस्कृति में आते हैं, तो आप इसे थोड़ा संकीर्ण करते हैं, और आप अपने सोचने के तरीके के बारे में बात करते हैं।

पुराने नियम में, सोचना, महसूस करना, इच्छा करना, ये सभी एक ही जटिल संरचना का हिस्सा हैं। और इसलिए, जब बाइबल ने अध्याय 15 में आसा के बारे में बात की और कहा कि वह पूर्ण हृदय वाला था, वह पूरे दिल से था, उसका व्यक्तित्व परमेश्वर के लिए एकजुट था। ओह, भाइयों और बहनों, यही रहने के लिए एकमात्र स्थान है।

उसके लिए जीने के लिए यही एकमात्र स्थान है, जहाँ वह पूरी तरह से समर्पित है, क्योंकि शांति पाने का यही तरीका है। संतुष्टि पाने का यही तरीका है। पूर्णता पाने का यही तरीका है।

और अहाब दुविधा में है, लेकिन इज़ेबेल नहीं। ओह, नहीं। वह कहती है, दुनिया में तुम्हें क्या हो गया है? तुम कुछ क्यों नहीं खाते? वह कहता है, नाबोथ मुझे अपना अंगूर का बाग नहीं बेचेगा।

वह कहती है, इसमें क्या समस्या है? अब, वह सिर्फ अपने शाही अधिकार का इस्तेमाल नहीं करती। वह सिर्फ यह नहीं कहती, नाबोथ, मैं रानी हूँ। मेरे पीछे एक बड़ी सेना है।

मैं यह ज़मीन ले रहा हूँ, चाहे आपको यह पसंद हो या न हो। नहीं, नहीं, वह उससे ज़्यादा समझदार है। वह जानती है कि 7,000 लोग ऐसे हैं जिन्होंने बाल के आगे घुटने नहीं टेके हैं या उसे चूमा नहीं है।

वह एक अच्छी राजनीतिज्ञ हैं। वह जानती हैं कि उन्हें किताबों में हेराफेरी करनी है, और वह ठीक यही करती भी हैं। वह कहती हैं, देखो, एक बड़ा उत्सव बुलाओ और नाबोथ को सम्मान की सीट पर बिठाओ।

और फिर कुछ लोगों को, और वह बहुत खुली हुई है, कुछ बेकार लोगों को, कुछ लोगों को जिन्हें खरीदा जा सकता है, सामने रख दो। और इस बड़े जश्न के बीच में, उन पर आरोप लगाओ, नाबोथ पर भगवान को कोसने का आरोप लगाओ।

उसे मार डालो। जब वह मर जाए, तो शेरिफ के सामने उसकी बिक्री कर दो। और राजा ही एकमात्र बोलीदाता होगा।

अब, वहाँ क्या हो रहा है? वहाँ जो हो रहा है वह यह समझ है कि जीवन शक्ति प्राप्त करने, लोगों पर शक्ति प्राप्त करने और जो आप चाहते हैं उसे इस तरह से प्राप्त करने की शक्ति है कि आप सत्ता में बने रहें। यह बुतपरस्ती की दुनिया है। उस दुनिया में शक्ति निराकार और नामहीन है।

और जीवन का काम शक्ति प्राप्त करना है। यही इज़ेबेल और अहाब के बीच का अंतर है। अहाब अपनी पुरानी याह्विस्टिक परवरिश को पूरी तरह से नहीं छोड़ सकता।

इज़ेबेल को कोई समस्या नहीं है। यह शक्ति के बारे में है, दोस्तों। और मेरे पास शक्ति है, और मैं इसका उपयोग करने जा रहा हूँ।

और इसलिए, वह अंदर आती है और कहती है, ठीक है, अपनी ज़मीन ले लो। और, ज़ाहिर है, बिक्री पर कौन है? एलिय्याह। श्लोक 20: तो तुमने मुझे पा लिया है, मेरे दुश्मन।

मैंने तुम्हें पा लिया है। श्लोक 20 में बहुत शक्तिशाली पंक्ति है, क्योंकि तुमने प्रभु की नज़र में बुराई करने के लिए खुद को बेच दिया है। हे भगवान।

कितनी शक्तिशाली भाषा है। आप खुद को बेचने के लिए तैयार हैं। आप तय कर सकते हैं कि आपका मालिक कौन होगा।

क्या यहोवा, अनुग्रह का परमेश्वर, प्रेम का परमेश्वर, विश्वासयोग्यता का परमेश्वर, सत्य का परमेश्वर, तुम्हारा स्वामी बनने जा रहा है? या शक्ति, अपनी मर्जी से काम करने की शक्ति, अपनी इच्छाओं को पूरा करने की शक्ति, क्या वह तुम्हारा स्वामी बनने जा रहा है? तुमने खुद को बेच दिया है, अहाब। इसीलिए मैं यहाँ हूँ। इसीलिए तुम यहोवा के एक नबी, परमेश्वर के एक आदमी को देखते हो, जैसा कि बार-बार कहा जाता है, और उसे एक परेशान करने वाले के रूप में देखते हो।

अब, वह विनाश का वचन बोलता है। कुत्ते इज़ेबेल को यिज़्रेल की दीवार के पास खा जाएँगे। कुत्ते अहाब के लोगों को खा जाएँगे जो शहर में मर जाएँगे।

मेरे लिए यह एक समस्या है, क्योंकि बाइबल में कुत्तों के बारे में बहुत अच्छी राय नहीं है। मुझे कुत्ते पसंद हैं। कुत्ते मनुष्य के सबसे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन जहाँ तक बाइबल का सवाल है, वे ऐसे नहीं हैं।

कुत्ते गिद्ध हैं। कुत्ते और गिद्ध तुम्हें खा जाएँगे। अब देखो, अहाब क्या करता है।

27 वर्षीय अहाब ने जब ये शब्द सुने, तो उसने अपने कपड़े फाड़े, टाट ओढ़ लिया, और उपवास किया; वह टाट ओढ़े लेटा रहा और नम्रता से घूमता रहा। वाह, वाह, क्या शब्द है। एक अहाब भी कुछ हद तक पश्चाताप कर सकता है।

अब, यह स्पष्ट है कि उसने आगे जो होने वाला है उसके कारण किसी भी तरह से पश्चाताप नहीं किया। लेकिन फिर भी, परमेश्वर ने क्या किया? क्या आपने देखा है, श्लोक 29, अहाब ने मेरे सामने खुद को कैसे नम्र किया है? क्योंकि उसने खुद को नम्र किया है, इसलिए मैं उसके दिनों में यह विपत्ति नहीं लाऊँगा। मैं उसके बेटे के दिनों में उसके घर पर यह विपत्ति लाऊँगा।

जो कोई पश्चाताप करेगा, परमेश्वर उसे आशीर्वाद देगा। अगर शैतान पश्चाताप करेगा, तो परमेश्वर उस पर दया करेगा। योना यही जानता था।

योना को अच्छी तरह पता था कि परमेश्वर कितना पूर्वानुमानित है, नहीं, कितना सुसंगत है। वह जानता था कि यह संभव है कि एक असीरियन भी पश्चाताप कर सकता है, और अगर वे ऐसा करते हैं, तो परमेश्वर उन पर दया करेगा। योना का इससे कोई लेना-देना नहीं था।

यह हमारा परमेश्वर है, दोस्तों। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने दूर चले गए हैं। परमेश्वर, अगर आप सच्चे दिल से पश्चाताप करते हैं, तो वह आप पर दया करेगा।

यह नाबोत की दाख की बारी की कहानी है।